



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 426]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 1, 2008/श्रावण 10, 1930

No. 426]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 1, 2008/SRAVANA 10, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2008

सं. 93/2008-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 569(अ).—केंद्रीय सरकार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 102/2007-सीमाशुल्क, तारीख 14 सितम्बर, 2007 [सा.का.नि. 598(अ), तारीख 14 सितम्बर, 2007] में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैराग्राफ 2 में, उप-पैराग्राफ (ग) में, निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(ग) आयातकर्ता अधिकृत सीमाशुल्क अधिकारी को समस्त उक्त अतिरिक्त शुल्क के अदा किए जाने की तिथि से एक वर्ष के भीतर उक्त अतिरिक्त शुल्क के लिए रिफाउंड क्लेम प्रस्तुत करेगा;”।

[फा. सं. 356/129/2007-टीआरयू (पार्ट)]

एस. बाजाज, अवर सचिव

टिप्पण : मूल अधिसूचना सं. सा.का.नि. 598(अ), तारीख 14 सितम्बर, 2007 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण द्वारा प्रकाशित की गई थी।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2008

No. 93/2008-Customs

G.S.R. 569(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 102/2007-Customs, dated the 14th September, 2007 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 598(E), dated the 14th September, 2007, namely :—

In the said notification, in paragraph 2, for sub-paragraph (c), the following shall be substituted, namely,—

“(c) the importer shall file a claim for refund of the said additional duty of customs paid on the imported goods with the jurisdictional customs officer before the expiry of one year from the date of payment of the said additional duty of customs;”.

[F.No. 356/129/2007-TRU (Pl.)]

S. BAJAJ, Under Secy.

Note : The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 598(E), dated the 14th September, 2007.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2008

सं. 94/2008-सीमाशुल्क

सा.का.नि 570(अ).— अभिहित प्राधिकारी, संयुक्त अरब अमीरात और चीन जनवादी गणराज्य (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् चाइना पीआर भी कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों, जिसमें औद्योगिक टाइलें शामिल नहीं हैं, (जिसे इसके पश्चात् विषयगत माल भी कहा गया है), जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष 6907 या 6908 या 6914 के अंतर्गत आती हैं, के आयात के मामले में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 23 अप्रैल, 2008 में प्रकाशित अधिसूचना सं० 15/17/2008-डीजीएडी, तारीख 21 अप्रैल, 2008 में अपने अल्पकालिक समीक्षा के निष्कर्षों के आधार पर इस निर्णय पर पहुंचे थे कि -

- (क) संयुक्त अरब अमीरात से कोई पाटन नहीं हो रहा था;
- (ख) वर्तमान उपाय हुआ लिए जाने से चीन जनवादी गणराज्य से पाटित कीमतों पर विषयगत माल के भारतीय बाजार में आने की संभावना थी;
- (ग) प्रतिपाटन उपायों के होने के बावजूद घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण वर्तमान क्षति होती थी और ऐसे संकेत का भी कोई साक्ष्य रिकार्ड में नहीं था कि प्रतिपाटन शुल्कों को समाप्त कर देने की स्थिति में घरेलू उद्योग में पाटन नहीं होगा अथवा इसे कोई क्षति नहीं होगी अथवा इसका पुनः कोई खतरा होने की संभावना नहीं थी;

और घरेलू उद्योग से क्षति लोप करने के लिए विषयगत देशों से विषयगत माल के आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क जारी करना आवश्यक समझा था;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) सा०का०नि० 486 (अ) तारीख 27 जून, 2008 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 82/2008-सीमाशुल्क, तारीख 27 जून, 2008 द्वारा उक्त संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था।

और जबकि अभिहित प्राधिकारी ने पूर्वोक्त अंतिम अल्पकालिक समीक्षा में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1 तारीख 21 मई, 2008 में प्रकाशित न्यू शिपर समीक्षा के अंतिम निष्कर्षों, जो अधिसूचना सं० 15/23/2008-डीजीएडी, तारीख 14 फरवरी, 2008 द्वारा प्रकाशित किए गए, जिसमें मै० फौशान ननहाई जिंग यू सिरामिक लि० फौशान चीन (जिसे बियोमा सिरामिक के नाम से भी जाना जाता है) चीन जनवादी गणराज्य द्वारा उत्पादित और मै० शाई इंटरनेशनल, हांगकांग द्वारा निर्यातित विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों का प्रतिपाटन मार्जिन डी-मिनिमस उद्घाटित किया था और रिफरेंस की गई थी कि मै० फौशान ननहाई जिंग यू सिरामिक लि० फौशान चीन (जिसे बियोमा सिरामिक के नाम से भी जाना जाता है) चीन जनवादी गणराज्य द्वारा उत्पादित और मै० शाई इंटरनेशनल, हांगकांग द्वारा निर्यातित विट्रीफाइड और पोर्सिलेन टाइलों पर कोई प्रतिपाटन शुल्क नहीं अधिरोपित किया जाए, के आधार पर और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अल्पकालिक समीक्षा जांच के पीओआई के दौरान मै० फौशान ननहाई जिंग यू सिरामिक लि० फौशान चीन (जिसे बियोमा सिरामिक के नाम से भी जाना जाता है) चीन जनवादी गणराज्य और मै० शाई इंटरनेशनल, हांगकांग के संयोजन के द्वारा भारत में कोई विक्री नहीं की गई थी अपितु विषयगत माल को पीओआई अवधि के पश्चात् भारत को निर्यात किया था, इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि उक्त संयोजन एक सहयोगी उत्पादक था;

अतः अब केन्द्रीय सरकार पूर्वोक्त अंतिम निष्कर्षों के आधार पर उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) तथा (5) के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटन शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18, 20 और 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 82/2008-सीमाशुल्क तारीख 27 जून, 2008, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) सा0का0नि0 485 (अ) तारीख 27 जून, 2008 द्वारा प्रकाशित की गई, में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात:-

उक्त अधिसूचना में, प्रारंभिक पैराग्राफ के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“ परंतुक में0 फौशान ननहाई जिंग यू सिरामिक लि0 फौशान चीन (जिसे बिग्रोमा सिरामिक के नाम से भी जाना जाता है) चीन जनवादी गणराज्य द्वारा उत्पादित और में0 शाई इंटर्नेशनल, हांगकांग द्वारा निर्यातित विषयागत माल का भारत में आयात होने पर, विषयागत माल पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित नहीं किया जायेगा। ”

2. यह अधिसूचना, अल्पकालिक समीक्षा अधिसूचना सं0 82/2008-सीमाशुल्क, के लागू होने की तारीख, अर्थात्, 27 जून, 2008, से प्रभावी होगी।

[फा सं. 354/214/2001-टीआरयू (पार्ट III)]

जी. जी. पई, अवर सचिव

टिप्पण :- मूल अधिसूचना सं0 82/2008-सीमाशुल्क, तारीख 27 जून, 2008, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) सा0का0नि0 485 (अ), तारीख 27 जून, 2008 के द्वारा प्रकाशित की गई थी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2008

No. 94/2008-Customs

G.S.R. 570(E).— Whereas in the matter of import of vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles (hereinafter referred to as the subject goods), falling under headings 6907 or 6908 or 6914 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the United Arab Emirates and People's Republic of China (hereinafter referred to as China PR) and imported into India, the designated authority in its sunset review final findings vide notification No. 15/17/2006-DGAD, dated the 21st April, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 23rd April, 2008, as amended, had come to the conclusion that—

- (i) there was no dumping taking place from United Arab Emirates;
- (ii) the subject goods were likely to enter Indian market at dumped prices from China PR, should the present measures be withdrawn;
- (iii) in spite of the antidumping measures in place, there existed significant current injury to the domestic industry and there was also no evidence on record to suggest that dumping or the injury to the domestic industry would cease to exist or was not likely to recur in case the anti-dumping duties were discontinued,

and had considered it necessary to continue imposition of the anti-dumping duty on the subject goods originating in, or exported from, China PR in order to remove injury to the domestic industry;

And whereas on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had considered it necessary to continue the

subject goods, vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R.485(E), dated the 27th June, 2008;

And whereas in the aforesaid sunset review final findings, the designated authority, on the basis of its new shipper review final findings vide notification No.15/23/2006-DGAD, dated the 14th February, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 21st May, 2008 which held that the dumping margin of the vitrified porcelain tiles manufactured by M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics), People's Republic of China and exported by M/s Shye International, Hong Kong was found to be *de minimis* and recommended that no anti-dumping duty be imposed on imports of said vitrified or porcelain tiles produced by M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics), People's Republic of China and exported by M/s Shye International, Hong Kong, and considering that the combination of M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics), People's Republic of China and M/s Shye International, Hong Kong had not made sales to India during the period of investigation of the sunset review investigation but had exported subject goods to India in post period of investigation period, had held the aforesaid combination as a cooperating exporter;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-section (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act, read with rules 18, 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, on the basis of the aforesaid final findings, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 485(E), dated the 27th June, 2008, namely :-

In the said notification, after the opening paragraph, the following proviso shall be inserted, namely: -

"Provided that no anti-dumping duty shall be imposed on the imports into India of the subject goods produced by M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics), People's Republic of China and exported by M/s Shye International, Hong Kong."

2. This notification shall be effective from the date of issue of the sunset review notification No.82/2008-Customs, that is, the 27th June, 2008.

[F. No. 354/214/2001-TRU(Pt. III)]

G. G. PAI, Under Secy.

Note :- The principal notification No. 82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008, was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 485(E), dated the 27th June, 2008.